

ग्रहों की गोलाकार आकृति

स्रोत: दृष्टि

ग्रहों की गोलाकार आकृति मुख्यतः [गुरुत्वाकर्षण](#) और [ज्यामिति](#) के परस्पर प्रभाव के कारण है।

- [गुरुत्वाकर्षण](#) वह प्राथमिक बल है जो ग्रहों को आकार देता है तथा उनके [वर्तुलाकार आकार](#) के कारण उन्हें गोलाकार आकृति में परिवर्तित कर देता है।
- एक गोला सबसे सघन [त्रि-आयामी आकार](#) प्रदान करता है, जो किसी दिये गए आयतन के लिये सतही क्षेत्र को कम करता है।
- यद्यपि इन्हें सामान्यतः गोलाकार कहा जाता है, परंतु वास्तव में ये [ग्रह और तारे](#) चपटे गोलाकार आकृति वाले होते हैं, जो घूर्णन से उत्पन्न [अपकेंद्रीय बल](#) के कारण ध्रुवों पर चपटे होते हैं।
- ध्रुवों की तुलना में भूमध्य रेखा पर [गुरुत्वाकर्षण बल](#) कर्षण होता है, क्योंकि घूर्णन से उत्पन्न केंद्रापसारक बल के कारण वहाँ उभार होता है।
- [गुरुत्वाकर्षण के कारण आकाशीय पडि](#) गोलाकार आकृति में आ जाते हैं, जबकि [धूमकेतु](#) और [कबुद्रग्रह](#) जैसे छोटे पडि अधिक शक्तिशाली [वदियुत चुंबकीय बलों](#) के कारण अनियमित आकार को बनाए रखते हैं।

और पढ़ें: [धूमकेतु सी/2020 एफ3 नयोवाइज़](#)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/spherical-shape-of-planets>

